ईपीसीएच ने "हिमाचल प्रदेश से हस्तशिल्प के निर्यात संवर्धन" पर जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया।

कांगड़ा पेंटिंग फ्यूजन विद वुड क्राफ्ट कार्यक्रम पर डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी विकास कार्यशाला (डीडीडब्ल्यू) का भी उद्घाटन किया गया।

धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश, 02 जून 2025: हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) ने 02 जून 2025 को धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में "हिमाचल प्रदेश से हस्तशिल्प के निर्यात संवर्धन" पर एक जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया। इस सत्र में हस्तशिल्प निर्यातक, युवा उद्यमियों और कारीगरों सहित क्षेत्र के प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया, ताकि पारंपरिक शिल्प कौशल और समकालीन बाजार की मांगों के अंतर को कम किया जा सके, हिमाचल प्रदेश की समृद्ध कारीगर विरासत को संरक्षित करते हुए सतत विकास को बढ़ावा दिया जा सके।

इस अवसर पर, कांगड़ा पेंटिंग फ्यूजन विद वुड क्राफ्ट पर डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी विकास कार्यशाला (डीडीडब्ल्यू) का भी उद्घाटन किया गया, जो डिजाइन नवाचार और कौशल संवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल है, ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने बताया।

ईपीसीएच महानिदेशक की भूमिका में मुख्य संरक्षक और आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ; ईपीसीएच के उपाध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना, श्री सागर मेहता; ईपीसीएच सीओए सदस्य:- श्री रवि के पासी, श्री राज कुमार मल्होत्रा, श्री गिरीश अग्रवाल, श्री अवधेश अग्रवाल, श्री शरद कुमार बंसल, श्री सलमान आज़म, श्री राजेश जैन, श्री प्रिंस मलिक, श्री जीशान अली, श्री ओ.पी. प्रहलादका, श्री प्रदीप मुछाला, श्रीमती जेसमीना जेलियांग, श्री मोहम्मद औसाफ, श्री सिमरनदीप सिंह कोहली; श्री संतोष आनंद, सहायक निदेशक, डीसी (हस्तशिल्प); श्री नजमुल इस्लाम, प्रमुख सदस्य निर्यातक; श्री आर.के. वर्मा, कार्यकारी निदेशक - ईपीसीएच; सत्र विशेषज्ञ:- डॉ. स्वाति शर्मा और श्रीमती अलका रावत, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट कांगड़ा तथा हिमाचल प्रदेश से बड़ी संख्या में कारीगर और उद्यमी उपस्थित रहे श्री राजेश रावत, ईपीसीएच के अतिरिक्त कार्यकारी निदेशक ने बताया।

सेमिनार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए ईपीसीएच महानिदेशक की भूमिका में मुख्य संरक्षक और आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने कहा कि "ईपीसीएच में हम मानते हैं कि हमारे हस्तशिल्प क्षेत्र की सफलता सहयोग, नवाचार और ज्ञान-साझाकरण में निहित है। यह सेमिनार हिमाचल प्रदेश सहित पूरे देश में हस्तशिल्प निर्यात पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए हमारे समर्पण का प्रमाण है। उन्होंने आगे कहा कि आज हम विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के कार्यालय के सहयोग से कांगड़ा पेंटिंग फ्यूजन विद वुड क्राफ्ट पर डिजाइन और प्रौद्योगिकी विकास कार्यशाला (डीडीडब्ल्यू) का भी उद्घाटन कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य डिजाइन नवाचार और कौशल विकास के साथ कारीगरों को सशक्त बनाना है। इस पहल को आगे बढ़ाते हुए ईपीसीएच भविष्य में क्षेत्र के हस्तशिल्प क्षेत्र को और मजबूत और विविधतापूर्ण बनाने के लिए विभिन्न शिल्पों पर ऐसे और कार्यक्रम आयोजित करेगा।" उन्होंने डिजाइनरों और प्रतिभागियों से नए उत्पाद विकसित करने का आग्रह किया, जिन्हें अगले आईएचजीएफ दिल्ली मेले में प्रदर्शित किया जा सके, जो 13-17 अक्टूबर, 2025 को इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, दिल्ली/एनसीआर में आयोजित किया जाएगा।

ईपीसीएच के उपाध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना ने कहा कि "हिमाचल प्रदेश, जो शाश्वत परंपराओं और प्राकृतिक सुंदरता की भूमि है, अपने उत्कृष्ट हस्तशिल्प के लिए प्रसिद्ध है, जिसमें जटिल लकड़ी की नक्काशी, कुल्लू और किन्नौर के हाथ से बुने हुए शॉल, चंबा रुमाल, धातु शिल्प और जीवंत कांगड़ा पेंटिंग शामिल हैं। ये शिल्प पीढ़ियों से चली आ रही समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और कुशल शिल्प कौशल का प्रमाण हैं।"

सेमिनार के उद्देश्यों को आगे बढ़ाते हुए ईपीसीएच के उपाध्यक्ष श्री सागर मेहता ने कहा कि "हमारा उद्देश्य केवल निर्यात को बढ़ावा देने से कहीं आगे है; यह एक स्थायी पारिस्थितिकी तंत्र का पोषण करना है, जहाँ हिमाचल प्रदेश के कारीगर अपने समृद्ध पारंपरिक कौशल को समकालीन बाजार की माँगों के साथ सामंजस्य स्थापित करके फल-फूल सकें। इस सेमिनार के माध्यम से, हमारा उद्देश्य उन्हें महत्वपूर्ण ज्ञान से सशक्त बनाना, उन्हें वैश्विक रुझानों से अवगत कराना और अंतर्राष्ट्रीय मूल्य श्रृंखलाओं में उनके निर्बाध एकीकरण को सुविधाजनक बनाना है।"

इस अवसर पर उपस्थित सभी प्रमुख निर्यातकों ने अपने कारोबार के दौरान अपने अनुभव साझा किए और घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल के शिल्प की संभावनाओं पर प्रकाश डाला तथा कारीगरों को इस डिजाइन विकास कार्यशाला का लाभ उठाने तथा घरेलू/अंतर्राष्ट्रीय बाजार की आवश्यकताओं के आधार पर उत्पाद विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। विशेष रूप से, श्री राजेश कुमार जैन ने कारीगरों से "अबकी बार हिमाचल से व्यापार" को अपनाने का आग्रह किया।

ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने कहा कि ईपीसीएच में हमारा मिशन निर्यात संवर्धन से कहीं आगे जाता है; हम हस्तशिल्प उद्योग तथा एमएसएमई की दीर्घकालिक सफलता को सक्षम बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस सेमिनार ने प्रतिभागियों को व्यावहारिक उपकरण तथा अंतर्दृष्टि प्रदान की जो आज के कारोबारी माहौल में महत्वपूर्ण हैं।"

डॉ. स्वाति शर्मा और श्रीमती अलका रावत, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट कांगड़ा ने नए उभरते डिजाइन रुझानों पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी, जिसकी वैश्विक बाजार तलाश कर रहा है और निर्माताओं को ग्राहकों को आकर्षित करने वाले सबसे हालिया रुझानों को ध्यान में रखते हुए प्राथमिकता देनी चाहिए।

प्रतिभागियों द्वारा डिजाइन, रुझान और पूर्वानुमान और निर्यात प्रक्रियाओं से संबंधित प्रश्न पूछे गए। विशेषज्ञों द्वारा उनके उत्तर दिए गए और सदस्य निर्यातकों के साथ सकारात्मक बातचीत के साथ समापन हुआ।

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद देश से निर्यात को बढ़ावा देने और देश के विभिन्न शिल्प समूहों में होम, लाइफस्टाइल, टेक्सटाइल, फर्नीचर, और फैशन जूलरी एवं एक्सेसरीज के उत्पादन में लगे लाखों कारीगरों और शिल्पकारों के प्रतिभाशाली हाथों से बने उत्पादों को एक ब्रांड छवि बनाने की एक नोडल एजेंसी है। ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर के वर्मा ने बताया कि वर्ष 2024-25 के दौरान हस्तशिल्प निर्यात का अनुमानित अस्थायी निर्यात ₹32,971.50 करोड़ (3898.46 मिलियन अमेरिकी डॉलर) रहा, जो इस क्षेत्र की वैश्विक मांग और कारीगरों की गुणवत्ता का प्रमाण है।

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

श्री आर. के. वर्मा, कार्यकारी निदेशक, ईपीसीएच

+91-9810679868

EPCH ORGANISED AN AWARENESS SEMINAR ON "EXPORT PROMOTION OF HANDICRAFTS FROM HIMACHAL PRADESH"

Design & Technology Development Workshop (DDW) on Kangra Painting Fusion with Wood Craft program got inaugurated

Dharamshala, Himachal Pradesh, 02nd June 2025: The Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) organised an Awareness Seminar on "Export Promotion of Handicrafts from Himachal Pradesh" at Dharamshala, Himachal Pradesh on 02nd June 2025. The session brought together key stakeholders from the region's including Handicraft Exporter, young entrepreneurs and artisans, to bridge the gap between traditional craftsmanship and contemporary market demands, fostering sustainable development while preserving the rich artisanal heritage of Himachal Pradesh.

On this occasion, the Design & Technology Development Workshop (DDW) on Kangra Painting Fusion with Wood Craft was also inaugurated, marking a significant initiative aimed at promoting design innovation and skill enhancement, informed Shri R. K. Verma, Executive Director, EPCH.

Dr. Rakesh Kumar, Director General in role of Chief Mentor – EPCH and Chairman IEML; Vice Chairmen – EPCH Dr. Neeraj Khanna, Shri Sagar Mehta; EPCH CoA Members:- Shri Ravi K Passi, Shri Raj Kumar Malhotra, Shri Girish Agarwal, Shri Avdesh Agarwal, Shri Sharad Kumar Bansal, Shri Salman Azam, Shri Rajesh Jain, Shri Prince Malik, Shri Zeeshan Ali, Shri O. P. Prahladka, Shri Pradip Muchhala, Ms. Jesmina Zeliang, Mr. Mohd. Ausaf, Shri Simrandeep Singh Kohli; Shri Santosh Anand, Assistant Director, DC (Handicrafts); Mr. Najmul Islam, prominent member exporter; Shri R. K. Verma, Executive Director – EPCH; Session Experts:- Dr. Swati Sharma and Ms. Alka Rawat, Assistant Professor, NIFT Kangra and large number of artisans and entrepreneurs from Himachal Pradesh were present – informed Shri Rajesh Rawat, Addl. Executive Director - EPCH.

Highlighting the importance of seminar, Dr. Rakesh Kumar, Director General in the role of Chief Mentor – EPCH and Chairman IEML shared that "we at EPCH believe that the success of our handicrafts sector lies in collaboration, innovation, and knowledge-sharing. This seminar is a testament to our dedication to strengthening the handicrafts export ecosystem across the country, including the vibrant state of Himachal Pradesh. He further added that today we are also inaugurating the Design & Technology Development Workshop (DDW) on Kangra Painting Fusion with Wood Craft with the support from O/o Development Commissioner (Handicrafts), Ministry of Textiles, Govt. of India, aimed at empowering artisans with design innovation and skill development. Building on this initiative, EPCH will conduct more such programs on different crafts in the future course to further strengthen and diversify the handicrafts sector of the region." He urged the designers and participants to develop new products which can be showcased at next IHGF Delhi Fair to be held at 13 – 17 October, 2025 at India Expo Centre & Mart, Delhi/NCR.

Dr. Neeraj Khanna, Vice Chairman, EPCH, shared that "Himachal Pradesh, a land of timeless traditions and natural beauty, is renowned for its exquisite handicrafts, ranging from intricate wood carvings,

handwoven shawls of Kullu and Kinnaur, Chamba rumals, metal crafts and vibrant Kangra paintings. These crafts are a testimony to the rich cultural heritage and skilled craftsmanship passed down through generations.”

Adding further to seminar's objectives Shri Sagar Mehta, Vice Chairman II – EPCH said that "Our objective extends beyond merely promoting exports; it is about nurturing a sustainable ecosystem where artisans of Himachal Pradesh can flourish by harmonizing their rich traditional skills with contemporary market demands. Through this seminar, we aim to empower them with critical knowledge, expose them to global trends, and facilitate their seamless integration into international value chains."

All the prominent exporters present on the occasion shared their experience over the course of their business and highlighted the potential of the craft of Himachal both at domestic and international levels and encouraged artisans to take advantage of this design development workshop and develop products based on domestic/international market requirements. Specifically, Shri Rajesh Kumar Jain urged the artisan to embrace “Abki Baar Himachal se Vyapaar”.

Shri R. K. Verma, Executive Director, EPCH, stated that at EPCH, our mission goes beyond export promotion; we are committed to enabling the long-term success of the handicraft industry and MSMEs. This seminar empowered participants with practical tools and insights that are crucial in today’s business environment.”

Dr. Swati Sharma and Ms. Alka Rawat, Assistant Professor, NIFT Kangra, gave a detailed presentation on new emerging design trends that the global market is looking for and manufacturers should prioritise taking into account the most recent trends through which customers are attracted.

Questions pertaining to Design, Trend & Forecast and export procedures were asked by the participants. The same were answered by the experts and concluded with positive interaction with members exporters.

Export Promotion Council for Handicrafts is a nodal agency for promotion of exports of handicrafts from the Country and create brand image of magic of the gifted hands of millions of artisans and crafts persons engaged in production of home, lifestyle, textiles, furniture and fashion jewellery & accessories products in different craft clusters of the Country. An estimated provisional export of handicrafts during the year 2024-25 was Rs. 32,971.50 Crores (US$ $ 3898.46 Million), informed by Mr. R. K. Verma, Executive Director, EPCH.

For more information please contact:

Mr. R. K. Verma, Executive Director, EPCH
+91-9810679868

Encl: Hindi & English with Photo

Photo 1: Dr. Rakesh Kumar, Director General in role of Chief Mentor – EPCH and Chairman IEML; addressing the august gathering along with Vice Chairmen – EPCH:- Dr. Neeraj Khanna, Shri Sagar Mehta; EPCH CoA Members; Shri Santosh Anand, Assistant Director, DC (Handicrafts); Shri. R. K. Verma, Executive Director, EPCH; Shri Rajesh Rawat, Addl. Executive Director, EPCH large number of artisans and entrepreneurs were present during an Awareness Seminar at Himachal Pradesh held today.

Photo 2: Ms. Alka Rawat, Assistant Professor, NIFT Kangra addressing the august gathering during an Awareness Seminar at Himachal Pradesh held today.

.

Photo 3: An overview of the august gathering during the Awareness Seminar on "Export Promotion of Handicrafts from Himachal Pradesh" at Dharamshala, Himachal Pradesh held today.